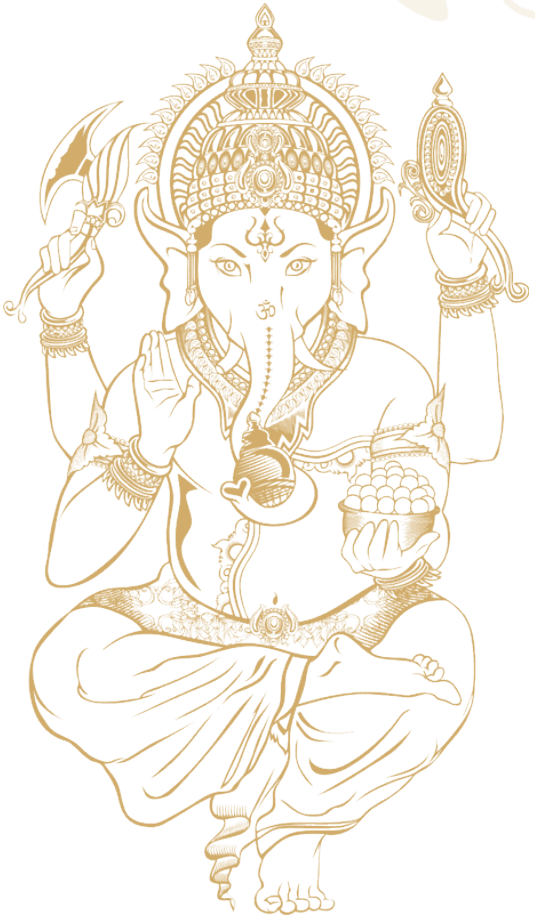

Sandya Rawat

11 Aug 2002

09:30 AM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121540902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/08/2002**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:30:00 घंटे**
इष्ट	09:29:29 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:12:36 घंटे
वेलान्तर	-00:05:15 घंटे
साम्पातिक काल	06:30:25 घंटे
सूर्योदय	05:42:12 घंटे
सूर्यास्त	19:02:31 घंटे
दिनमान	13:20:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	24:26:31 कर्क
लग्न के अंश	12:44:08 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:44:08	314:25:17	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कर्क	24:26:31	00:57:35	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	27:04:48	14:50:08	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
मंगल		अ	कर्क	24:21:55	00:38:16	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			सिंह	14:04:39	01:36:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	08:11:23	00:13:06	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	10:01:50	01:01:36	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	नीच राशि
शनि			मिथु	02:00:14	00:05:45	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	21:51:57	00:08:16	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	21:51:57	00:08:16	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	03:19:05	00:02:21	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:26:50	00:01:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:04:23	00:00:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	13:05:24	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:21

लग्न-चलित

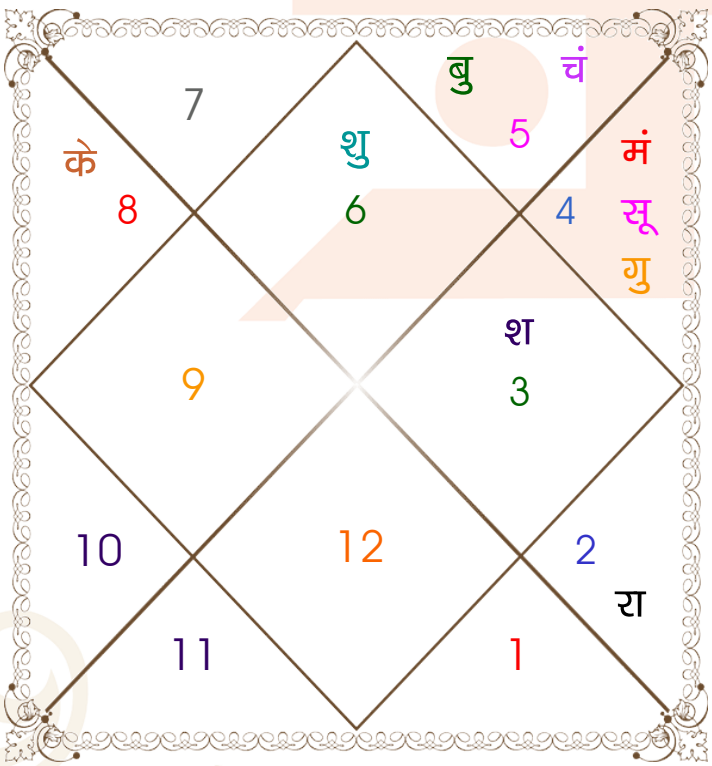

चन्द्र कुंडली

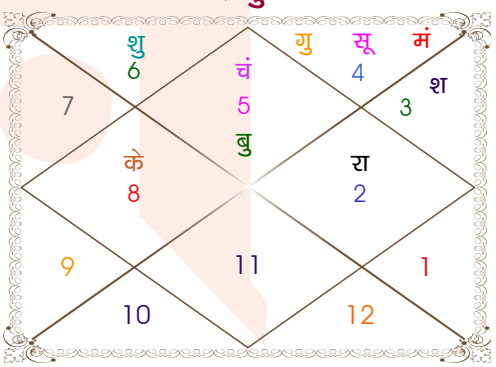

नवमांश कुंडली

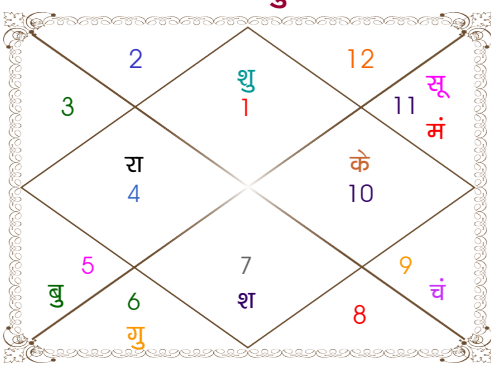

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 9 मास 23 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/08/2002		03/06/2008		04/06/2018		04/06/2025		04/06/2043	
03/06/2008		04/06/2018		04/06/2025		04/06/2043		04/06/2059	
सूर्य	22/09/2002	चंद्र	04/04/2009	मंगल	31/10/2018	राहु	15/02/2028	गुरु	22/07/2045
चंद्र	23/03/2003	मंगल	03/11/2009	राहु	19/11/2019	गुरु	10/07/2030	शनि	03/02/2048
मंगल	29/07/2003	राहु	05/05/2011	गुरु	25/10/2020	शनि	16/05/2033	बुध	11/05/2050
राहु	22/06/2004	गुरु	03/09/2012	शनि	03/12/2021	बुध	04/12/2035	केतु	17/04/2051
गुरु	10/04/2005	शनि	04/04/2014	बुध	01/12/2022	केतु	21/12/2036	शुक्र	16/12/2053
शनि	23/03/2006	बुध	04/09/2015	केतु	29/04/2023	शुक्र	22/12/2039	सूर्य	04/10/2054
बुध	27/01/2007	केतु	04/04/2016	शुक्र	28/06/2024	सूर्य	15/11/2040	चंद्र	03/02/2056
केतु	04/06/2007	शुक्र	03/12/2017	सूर्य	03/11/2024	चंद्र	17/05/2042	मंगल	09/01/2057
शुक्र	03/06/2008	सूर्य	04/06/2018	चंद्र	04/06/2025	मंगल	04/06/2043	राहु	04/06/2059

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/06/2059		04/06/2078		04/06/2095		05/06/2102		05/06/2122	
04/06/2078		04/06/2095		05/06/2102		05/06/2122		00/00/0000	
शनि	07/06/2062	बुध	31/10/2080	केतु	31/10/2095	शुक्र	04/10/2105	सूर्य	12/08/2122
बुध	14/02/2065	केतु	28/10/2081	शुक्र	30/12/2096	सूर्य	05/10/2106		00/00/0000
केतु	26/03/2066	शुक्र	28/08/2084	सूर्य	07/05/2097	चंद्र	04/06/2108		00/00/0000
शुक्र	26/05/2069	सूर्य	04/07/2085	चंद्र	06/12/2097	मंगल	05/08/2109		00/00/0000
सूर्य	08/05/2070	चंद्र	04/12/2086	मंगल	05/05/2098	राहु	04/08/2112		00/00/0000
चंद्र	07/12/2071	मंगल	01/12/2087	राहु	23/05/2099	गुरु	05/04/2115		00/00/0000
मंगल	15/01/2073	राहु	19/06/2090	गुरु	29/04/2100	शनि	05/06/2118		00/00/0000
राहु	22/11/2075	गुरु	24/09/2092	शनि	08/06/2101	बुध	05/04/2121		00/00/0000
गुरु	04/06/2078	शनि	04/06/2095	बुध	05/06/2102	केतु	05/06/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।